


## चेक लिस्ट क्रमांक-34


वन अधिकार मान्यता पत्र विवरण की सूची एवं कलेक्टर का अनापत्ति प्रमाण पत्र (यदि निरंक हो तो भी प्रमाणित होगा) (भारत सरकार, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, नई दिल्ली का पत्र क्रमांक/F.No. 11-9/1998-FC दिनांक 03.08.2009) ग्राम सभा का ठहराव प्रस्ताव (Resolution) आवश्यक रूप से संलग्न करें।

## वन अधिकार मान्यता पत्र विवरण की सूची एवं कलेक्टर का अनापत्ति प्रमाण पत्र

धरमजयगढ़ वनमण्डल अंतर्गत प्रस्तावित 220 के०व्ही० उपकेन्द्र धरमजयगढ़ ग्राम-हाटी के निर्माण कार्य हेतु भारत सरकार पर्यावरण एवं मंत्रालय नई दिल्ली का पत्र क्रमांक F.No. 11-9/1998-FC दिनांक 03.08.2009 के अनुसार कार्यालय कलेक्टर रायगढ़ जिले भू-अभिलेख शाखा का पत्र क्रमांक 179 दिनांक 16.02.2022 द्वारा वन अधिकार मान्यता पत्र वितरण सूची एवं कलेक्टर का अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी किया गया है। पत्र संलग्न है।

  
(ए.के. खलखो)

कार्यपालन अभियंता (सिविल) संभाग  
छ०रा०वि०पारे०क०मर्या०, रायगढ़

  
(अभिषेक जोगावत)  
(भा.व.से.)

वनमण्डलाधिकारी  
वनमण्डल धरमजयगढ़

ग्राम सभा ...६१६)..... की बैठक दिनांक २०/०७/२०२१ का कार्यवाही विवरण

ग्राम .....६१६).....  
स्थान .....

दिनांक २०/०७/२०२१

आज दिनांक २०/०७/२०२१ को ग्राम ...६१६)..... के सरपंच श्री/श्रीमती २१/०७/२०२१/१०५५ की अध्यक्षता में ग्राम सभा बैठक आहूत की गयी। इस बैठक में ग्राम सभा एवं वन समिति के ...६१६) सदस्य ...६०/१०५५ प्रतिशत विषयों पर चर्चा की गई :-

1. ग्राम हाटी में आवेदक कार्यपालन अभियंता (सि०) संभाग ४०० रा० वि० पार० क० म० रा० रायगढ़ ने (गैर वानिकी कार्य) के लिए वन भूमि को व्यपवर्तन हेतु वन भूमि (बड़े झाड़ एवं छोटे झाड़ के जंगल) कुल कक्ष क्र० ५५१ में से ६.८२३ हेक्टेयर वन भूमि की मांग की गई है। इस प्रस्ताव बाबत विस्तृत चर्चा की गयी।
2. प्रस्ताव के लक्ष्य उद्देश्य एवं उक्त प्रस्तावित व्यपवर्तित किए जाने वाली भूमि के उपयोग बाबत ग्राम सभा की बैठक में विस्तार से गहन चर्चा की गयी।
3. इस वन व्यपवर्तन प्रकरण के परिपेक्ष्य में अनुसूचित जन जाति एवं अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम २००६ के नियम एवं प्रावधानों पर चर्चा की गयी। जो वन भूमि २२०/१३२ के० व्ही० उपकेन्द्र धरमजयगढ़ के निर्माण कार्य के व्यपवर्तन के लिए प्रस्तावित है, में कोई आदिवासी, गैर परंपरागत वनवासी इस प्रश्नाधीन वन भूमि पर कृषि कार्य, आवास या अन्य पारंपरिक गतिविधि नहीं संपादित कर रहे है एवं कोई भी व अधिकार (व्यक्तिगत या सामुदायिक) किसी आदिवासी या गैर परंपरागत वनवासी को इस प्रस्तावित वन भूमि पर नहीं दिया गया है।

अथवा

निम्न आदिवासी/गैर परंपरागत वनवासी व्यक्तियों को वन अधिकार मान्यता पत्र वितरित किया गया है।

क्रमांक	ग्राम का नाम	वन अधिकार माह्यता पत्र आधार का नाम	रकबा (हेक्टेयर में)
1	हाटी	निरंक	निरंक

अतः यह एकमत से ग्राम सभा में निर्णय लिया गया कि (बड़े झाड़ एवं छोटे झाड़ के जंगल) वन भूमि कुल योग कक्ष क्र० ५५१ में से ६.८२३ हेक्टेयर वन भूमि गैर वानिकी प्रयोजन हेतु मेसर्स/आवेदक कार्यपालन अभियंता (सि०-पार०) संभाग को अन्य प्रचलित नियमों एवं प्रावधान अनुसार व्यपवर्तित की जावें।

हस्ताक्षर .....  
सरपंच .....  
ग्राम पंचायत हाटी  
ज.प.-धरमजयगढ़  
जिला-रायगढ़ (छ.ग.)  
सरपंच .....  
ग्राम पंचायत हाटी  
ज.प.-धरमजयगढ़  
जिला-रायगढ़ (छ.ग.)

सील

उपस्थित सदस्य गण :-

क्रमांक

नाम

हस्ताक्षर/अंगुठा निशान

०

कुलाशसाप

कुलाशसाप

०

२०/०७/२०२१

२०/०७/२०२१

०

वांसीराम पटेल

वांसीराम पटेल

०

पल्लव

पल्लव

०

२०/०७/२०२१

२०/०७/२०२१





## कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा जिला-रायगढ़(छ.ग.)

क्रमांक / 179 / स.अ.भू.अ. / 2022  
प्रति,

रायगढ़ दिनांक 16/ 2 / 2022

वनमण्डलाधिकारी  
वनमण्डल धरमजयगढ़  
जिला-रायगढ़(छ.ग.)

विषय :- प्रस्तावित 220/132/33 के०व्ही० उपकेन्द्र धरमजयगढ़ ग्राम हाटी प०ह०न० 42 खसरा न० 1015/1क/1 व खसरा न० 1310/1क वन भूमि का वन संरक्षण अधिनियम 1980 के अंतर्गत वनभूमि प्रत्यावर्तन हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र तथा FRA (प्रदर्श 'स') पत्र जारी करने बाबत।

संदर्भ :- कार्यालय कार्यपालन अभियंता (सिविल) संभाग छ०रा०वि०पारे०क०मर्या० रायगढ़ के पत्र क्रमांक/कायंसि/राय./स्था./972/रायगढ़ दिनांक 27.01.2022।

—00—

विषयांतर्गत संदर्भित पत्र का अवलोकन करें। संदर्भित पत्र आवेदन पत्र में प्रस्तावित 220/132/33 के०व्ही० उपकेन्द्र धरमजयगढ़ ग्राम हाटी प०ह०न० 42 खसरा नंबर 1015/1क/1 में से रकबा 2.175 हे० व खसरा न० 1310/1क में से 4.648 हे० कुल रकबा 6.823 हे० भूमि जो वन भूमि (छोटे बड़े झाड़ के जंगल) पी.एफ. कक्ष क्रमांक 551 में दर्ज है। प्रस्तावित 220 के०व्ही० उपकेन्द्र धरमजयगढ़ हेतु चिन्हांकित की गई है। जिसके आबंटन हेतु वन संरक्षण अधिनियम 1980 के प्रावधानों एवं उपबंधों के तहत भू-प्रत्यावर्तन की कार्यवाही हेतु पत्र प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में अनुविभागीय अधिकारी (रा.) धरमजयगढ़ से प्राप्त जानकारी के आधार पर कार्यवाही विवरण सहित FRA (प्रदर्श 'स') एवं फार्म-1 में जानकारी संलग्न कर सादर संप्रेषित है।

संलग्न:- उपरोक्तानुसार।

4  
कलेक्टर

पृ. क्रमांक / / स.अ.भू.अ. / 2022  
प्रतिलिपि:-

रायगढ़ (छ०ग०)  
रायगढ़ दिनांक / / 2022

1. अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (भू-प्रबंध-व.स.अ.) अरण्य भवन मेडिकल कालेज रोड रायपुर (छ०ग०) को सूचनार्थ।
2. कार्यालय कार्यपालन अभियंता (सिविल) संभाग छ०रा०वि०पारे०क०मर्या० रायगढ़, जिला रायगढ़ (छ०ग०) को सूचनार्थ।

4  
कलेक्टर

रायगढ़ (छ०ग०)

FORM-1  
(for linear project)  
Government of Chhattisgarh  
Office of the District Collector Raigarh  
\*\*\*\*

No .....179.....

Date ~~16-7-22~~TO WHOWSOEVER IT MAY CONCERN

In compliance of the ministry of Environment and Forests (MOLT), Government of India's letter No. 11-9/98-FC (pt) dated 3<sup>rd</sup> August 2009 where in the MoEF issued guidelines on submission of evidences for having initiated and completed the process of settlement of rights under the scheduled Tribes and other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act, 2006 ('FRA' for short) on the forest land proposed to be diverted for non-forest purposes read with MoEF's letter dated 5<sup>th</sup> February 2013 where in MoEF issued certain relaxation in respect of linear projects it is certified that 6.823 hectares forest land proposed to be diverted in favour of Chhattisgarh State Power Transmission Company Ltd., Office of the Executive Engineer (Civil) Division 220/KV S/s Colony Kotra Road Raigarh for construction of 220 132/33 KV S/s Dharamjaigarh, Vill.-Hati, in Tehsil Dharamjaigarh Raigarh District.

It is further certified that :-

- (a) The complete process for identification and settlement of right under the FRA has been carried out for the entire of forest land in total of 6.823 hectares forest land proposed for diversion. A copy of record of all consultations and meeting of the Forest Rights Committee (s.) Sub Division Level Committee (s) and the District Level Committee (s) are enclosed.
- (b) The diversion of forest land for facilities managed by the Government as required under section 3(2) of the FRA have been completed and the consent of Gram sabha's have been exempted for linear project vide latter no. F. no. 11-9/98-FC (pt) of Government of India, ministry of Environment and forest's (FC Division) Dated 5<sup>th</sup> February 2013.
- (c) The proposal does not involve recognised rights of primitive Tribal Groups and Pre-agricultural communities.

Encl: As above

  
(BHIM SINGH)  
District Collector Raigarh





# कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा रायगढ़ (छ.ग.)

प्रदर्श 'स'

## प्रमाण पत्र

प्रस्तावित 220/132/33 के.व्ही. उपकेन्द्र धरमजयगढ़, ग्राम-हाटी प.ह.नं. 42 छाल क्षेत्र तहसील धरमजयगढ़ जिला-रायगढ़ (छ.ग.) के निर्माण हेतु कुल वन भूमि 6.823 हेक्टेयर भूमि के प्रकरण में व्यपवर्तन हेतु प्रस्तावित स्थल से अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परम्परागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम 2006 का पालन प्रतिवेदन :-

1- प्रमाणित किया जाता है कि अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम 2006 में नियत सम्पूर्ण प्रक्रिया का पालन कर अधिकारों को स्थापित किया गया है, तथा संपूर्ण प्रस्तावित क्षेत्र की वनभूमि रकबा 6.823 हेक्टेयर (छोटे बड़े झाड़ के जंगल कक्ष क्रमांक 551) में जो इस कार्य हेतु व्यपवर्तित की जानी है, तथा ग्राम-हाटी प.ह.नं. 42 छाल क्षेत्र तहसील-धरमजयगढ़, जिला रायगढ़ (छ.ग.) में स्थित है, में तदनुसार यह कार्यवाही पूर्ण की गयी है।

सहायक महानिरीक्षक वन भारत सरकार का पत्र क्रमांक/11-9/98-एफ.सी. (पी.टी.) वन एवं पर्यावरण मंत्रालय नई दिल्ली दिनांक 05.02.2013 के द्वारा जहां विलुप्तप्राय जनजाति समूह (पी.टी.जी.) एवं कृषि पूर्व समुदायों के मान्यता अधिकार शामिल न हो वहां सड़क निर्माण, नहरों, पाईप लाईन, ऑप्टिकल फाइबर बिछाव एवं संचरण लाईनों जैसी परियोजनाओं का गमन (रेखिक व्यपवर्तन) के लिये ग्राम सभा की सहमति की आवश्यकता से छूट दी गई है।

2-यह प्रमाणित किया जाता है कि (पी.टी.जी.) के सदस्य व्यपवर्तन हेतु प्रश्नाधीन वन भूमि पर निवासरत नहीं है जिनका वन अधिकार अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम 2006 की धारा 3(1)(म) अन्तर्गत विशेष रूप से संरक्षित रखना है।

अथवा

प्रस्तावित वन क्षेत्र में प्रदत्त वन अधिकार मान्यता पत्र धारकों की ग्रामवार विवरण निम्नानुसार है

क.	ग्राम का नाम	तहसील	वन अधिकार मान्यता पत्र धारक का नाम	रकबा (हे० में)
			निरंक	निरंक
1.	ग्राम-हाटी छाल क्षेत्र तहसील धरमजयगढ़	धरमजयगढ़		

- यह प्रमाणित किया जाता है कि संयुक्त सत्यापन प्रतिवेदन ऐसे विलुप्तप्राय जनजाति समूह (पी. टी. जी.) के सदस्य व्यपवर्तन हेतु प्रश्नाधीन वनभूमि पर निवासरत नहीं है जिनका वन अधिकार अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम 2006 की धारा 3 (1) (म) अन्तर्गत विशेष रूप से संरक्षित रखना है।
- संयुक्त सत्यापन प्रतिवेदन के संकल्पों के आधार पर यह प्रमाणित किया जाता है कि व्यपवर्तन के लिए प्रस्तावित राजस्व वन भूमि पर अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम 2006 की धारा 3(1)(म) अंतर्गत शासन द्वारा संचालित कोई सुविधा विद्यमान नहीं है।

संलग्न :- उपरोक्तानुसार।

कलेक्टर  
एवं

अध्यक्ष-जिला वन अधिकार समिति  
जिला-रायगढ़ (छ.ग.)